Lata Shabd Roop Chart

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	हरिः	हरी	हरयः
द्वितीया	हरिम्	हरी	हरीन्
तृतीया	हरिणा	हरिभ्याम्	हरिभिः
चतुर्थी	हरये	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
पंचमी	हर्याः	हरिभ्याम्	हरिभ्यः
षष्ठी	हर्याः	हर्योः	हरिणाम्
सप्तमी	हरौ	हर्योः	हरिषु
संबोधन	हे हरि	हे हरी	हे हरयः

SHABD ROOP

लता शब्द रूप का हिंदी अर्थ

विभक्ति	एकवचन (अर्थ)	द्विवचन (अर्थ)	बहुवचन (अर्थ)
प्रथमा	लता (लता, लता ने)	लते (दो लताएँ, दो लताएँ ने)	लताः (अनेक लताएँ, अनेक लताएँ ने)
द्वितीया	लताम् (लता को)	लते (दो लताएँ को)	लताः (अनेक लताएँ को)
तृतीया	लतया (लता से, लता के द्वारा)	लताभ्याम् (दो लताओं से, दो लताओं के द्वारा)	लताभिः (अनेक लताओं से, अनेक लताओं के द्वारा)
चतुर्थी	लतायै (लता को, लता के लिए)	लताभ्याम् (दो लताओं को, दो लताओं के लिए)	लताभ्यः (अनेक लताओं को, अनेक लताओं के लिए)
पञ्चमी	लतायाः (लता से)	लताभ्याम् (दो लताओं से)	लताभ्यः (अनेक लताओं से)
षष्ठी	लतायाः (लता का, लता की)	लतयोः (दो लताओं का, दो लताओं की)	लतानाम् (अनेक लताओं का, अनेक लताओं की)
सप्तमी	लतायाम् (लता में, लता पर)	लतयोः (दो लताओं में, दो लताओं पर)	लतासु (अनेक लताओं में, अनेक लताओं पर)
सम्बोधन	हे लते! (हे लता!)	हे लते! (हे दो लताएँ!)	हे लताः! (हे अनेक लताएँ!)

Lata Shabd Roop से बनने वाले वाक्य (संस्कृत में हिंदी अर्थ सहित)

यहाँ प्रत्येक विभक्ति और वचन के अनुसार 'लता' शब्द के उदाहरण वाक्य दिए गए हैं, जो आपको व्याकरणिक प्रयोग समझने में मदद करेंगे:

प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक)

- एकवचन: लता पुष्पं विकसति। (लता फूल खिलाती है।)
- द्विवचन: लते उद्याने लसतः। (दो लताएँ उद्यान में लहलहाती हैं।)
- बहुवचन: लताः गृहं शोभयन्ति। (लताएँ घर को सजाती हैं।)

द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)

- एकवचन: लताम् कृषकः सींचति। (किसान लता को सींचता है।)
- द्विवचन: लते जलं पिबतः। (दो लताएँ जल पीती हैं।)
- बहुवचन: लताः वायुं ग्रहणयन्ति। (लताएँ वायु को ग्रहण करती हैं।)

तृतीया विभक्ति (करण कारक)

- एकवचन: लतया वृक्षः छाद्यते। (लता से वृक्ष ढक जाता है।)
- द्विवचन: लताभ्याम् गृहं शोभते। (दो लताओं से घर सुशोभित होता है।)
- बहुवचन: लताभिः उद्यानं सुशोभितं भवति। (लताओं के द्वारा उद्यान सुशोभित होता है।)

चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक)

- एकवचन: लतायै कृषकः जलं ददाति। (किसान लता को जल देता है।)
- द्विवचन: लताभ्याम् पुष्पाणि अर्प्यन्ते। (दो लताओं को फूल अर्पित किए जाते हैं।)
- बहुवचन: लताभ्यः वायुशुद्धिः उपलभ्यते। (लताओं को वायु शुद्धि प्राप्त होती है।)

पंचमी विभक्ति (अपादान कारक)

- एकवचन: लतायाः वृक्षः अलगः अस्ति। (लता से वृक्ष अलग है।)
- द्विवचन: लताभ्याम् भूमेः संवृद्धिः। (दो लताओं से भूमि की संवृद्धि होती है।)
- बहुवचन: लताभ्यः उद्यानात् शोभा ह्रस्वा। (लताओं से उद्यान की शोभा कम होती है।)

षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक)

- एकवचन: लतायाः पुष्पं सुंदरम्। (लता का फूल सुंदर है।)
- द्विवचन: लतयोः पत्राणि हरितानि। (दो लताओं के पत्ते हरे हैं।)
- बहुवचन: लतानाम् रूपं मनोहरम्। (लताओं का रूप मनोहर है।)

सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक)

- एकवचन: लतायाम् वृक्षे पक्षिणः वसन्ति। (लता में वृक्ष पर पक्षी रहते हैं।)
- द्विवचन: लतयोः उद्याने पुष्पाणि विकसन्ति। (दो लताओं के उद्यान में फूल खिलते हैं।)
- बहुवचन: लतासु वनम् सुशोभितम्। (लताओं में वन सुशोभित है।)

सम्बोधन (विस्मय कारक)

- एकवचन: हे लते! शीघ्रं विकसित भव। (हे लता! जल्दी खिलो।)
- द्विवचन: हे लते! उद्यानं शोभयतम्। (हे दो लताएँ! उद्यान को सजाओ।)
- बहुवचन: हे लताः! वनं सुशोभयन्तु। (हे लताएँ! वन को सुशोभित करो।)

Best of Luck

www.roopshabd.com